संपादकीय

आखिर हो गए चुनाव

17वीं लोकसभा के लिए चुनाव का सातवां और आखिरी चरण रविवार को संपन्न हुआ। मतदाता अपना फैसला दे चुके हैं। 23 मई को मतों की गिनती के बाद उनका फैसला सार्वजनिक हो जाएगा। उस फैसले को एक तरफ रखकर सोचें तो दो महीनों में फैली यह सघन चुनावी लड़ाई अपने पीछे ऐसा बहुत कुछ छोड़ गई है, जो देश के लिए लंबे समय तक बेचैनी का सबब बना रहेगा। मसलन, यह देश का सबसे ज्यादा ध्रुवीकृत, तनावग्रस्त और संभवतः सर्वाधिक खर्चीला चुनाव था।

पिछले आम चुनाव से तुलना करके देखें तो भ्रष्टाचार और महंगाई इस बार चुनावी लड़ाई का मुख्य मुद्दा नहीं बन सके। मोदी सरकार द्वारा काले धन के खिलाफ उठाए गए नोटबंदी और जीएसटी जैसे कदमों को ध्यान में रखते हुए यह उम्मीद स्वाभाविक थी कि इस बार के चुनाव सादगी से लड़े जाएंगे। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। चुनाव प्रचार के दौरान की गई कार्रवाइयों में 3445 करोड़ रुपये का कैश जब्त किया गया, जो पिछले चुनाव के मुकाबले तकरीबन तीन गुना है। माना जाता है कि सरकारी कार्रवाइयों में होने वाली ऐसी जब्तियां दस फीसदी रकम को ही कवर कर पाती हैं।

इस हिसाब से इन चुनावों का अनुमानित नकदी खर्च 35,000 करोड़ रुपये बैठता है, हालांकि सरकारी दावा यह है कि इस बार प्रशासनिक तंत्र की सख्ती की वजह से जब्त रकम इतनी बढ़ गई। विदेशी अखबार भारत के चुनावी खर्चे को 7 अरब डॉलर यानी तकरीबन 50 हजार करोड़ रुपया बता रहे हैं। प्रचार के दौरान रैली और रोड शो से लेकर हेलिकॉप्टरों, छोटे विमानों की बुकिंग का मामला हो या पत्र-पत्रिकाओं में विज्ञापनों या फिर टीवी चैनलों पर मिले समय का, सत्तारूढ़ बीजेपी हर तरह के खर्चे में बाकी दलों से काफी आगे दिखी। इस आक्रामक प्रचार से मतदाता प्रभावित हुए या उनमें इसकी कोई नकारात्मक प्रतिक्रिया हुई, यह जानने के लिए 23 मई तक इंतजार करना पड़ेगा। एक विकासशील देश के लिए इतना बड़ा अनुत्पादक खर्च खुद में भारी चिंता का विषय है, लेकिन इससे कहीं ज्यादा परेशान करने वाली बात यह है कि 2019 का आम चुनाव लगभग एक सदी से दफन पड़े इतिहास के सारे गड़े मुर्दे उखाड़ डालने वाले अभी तक के सबसे कटुतापूर्ण चुनाव के रूप में दर्ज किया जाएगा।

निश्चित रूप से यह अचानक नहीं हुआ है। पिछले पांच वर्षों में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच संवाद के सारे पुल ध्वस्त होते चले गए थे। पहली बार ही ऐसा हुआ कि सत्तारूढ़ दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने औपचारिक तौर पर स्वीकार किया कि मुख्य विपक्षी दल के नेताओं से संवाद की उन्हें कोई जरूरत नहीं लगती। इस संवादहीनता की काली छाया समूचे चुनाव प्रचार पर छाई रही। मतदाताओं के बीच निचले स्तर तक दिखा तीखा टकराव भी इस छाया के असर में अलग ही शक्ल लेता गया। नतीजे चाहे जो भी हों, पर इस चुनाव से उभरी बीमारियों से उबरने में देश को लंबा वक्त लगेगा।

जीवन बीमा : रिटर्न ऑफ प्रीमियम टर्म प्लान बेहतर विकल्प

बेंगलुरू (आरएनएस)। जीवन में अनिश्चितता होना ही लाइफ इंश्योरेंस खरीदने के लिए पर्याप्त कारण है। एक टर्म प्लान अपनी तरह की एकमात्र इंश्योरेंस पॉलिसी है जो इसलिए खरीदनी चाहिए क्योंकि इसमें सबसे कम कीमत पर अधिकतम सुरक्षा कवर मिलता है। अब तो 99 प्लस वर्ष की उम्र तक के लिए भी टर्म इंश्योरेंस खरीदे जा सकते हैं जो कि कुछ साल पहले तक संभव नहीं था।

पॉलिसीबाजार के सहसंस्थापक और सीईओ यशीष दहिया यहां रिटर्न ऑफ प्रीमियम के साथ टर्म इंश्योरेंस पर जानकारी दे रहे हैं -

टर्म इंश्योरेंस के अंतर्गत एक लोकप्रिय विकल्प है रिटर्न ऑफ प्रीमियम इंश्योरेंस। इसका मतलब यह हुआ कि बीमाधारक व्यक्ति ने जितने भी प्रीमियम चुकाए हैं, वह उसे परिपक्वता लाभ के रूप में वापस कर दिए जाएंगे। यह उत्पाद उन लोगों के लिए काफी अच्छा है जो एक इंश्योरेंस प्लान खरीदते वक्त उसका एक गारंटीकृत नकद मूल्य भी चाहते हैं। एक पॉलिसी ग्राहक के रूप में आप ऐसी

अवधि चुन सकते हैं जो आपकी विशिष्ट जरूरतों के अनुकूल रहे।

भारतीय ग्राहक लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी से कुछ न कुछ रिटर्न मिलने की उम्मीद जरूर करते हैं और यह कम से कम उतना तो होना ही चाहिए जितना पॉलिसी में निवेश किया गया हो। जो निवेशक रिटर्न की इच्छा रखते हैं उनके लिए यह एक पैसा वसूल पॉलिसी है।

पॉलिसी की अवधि - एक निवेशक के रूप में आप अपनी आर्थिक स्थिति के हिसाब से पॉलिसी की अवधि तय कर सकते हैं। आमतौर पर यह पॉलिसी 20, 25, 30 और 40 वर्षों के लिए मिलती है। उदाहरण के तौर पर अगर आपके पास एक 20 वर्ष की अवधि का लोन है तो आप एक 20 वर्षीय टर्म लाइफ प्लान खरीद सकते हैं। दुर्भाग्य से अगर इस अवधि के दौरान आपको कुछ हो जाए, तो आपको यह लोन चुकाने की चिंता नहीं करनी होगी। अगर आप इस अवधि के बाद भी ज़िंदा रहते हैं तो आपको चुकाए गए प्रीमियम का 100 फीसदी वापस मिल जाता है।

परिपक्वता लाभ - रिटर्न ऑफ प्रीमियम प्लान में मिलने वाले परिपक्वता लाभ एक सामान्य टर्म पॉलिसी से काफी अलग होते हैं। इस प्लान में पॉलिसी धारक व्यक्ति को जितने साल का बीमा हासिल है उतना ही प्रीमियम वापस मिलता है। कई प्लान में बीमा कंपनी द्वारा ग्राहक के चुकाए गए प्रीमियम से अधिक भुगतान किया जाता है, लेकिन इसके लिए कुछ शर्तों को पूरा करना होगा। इसके साथ ही पॉलिसी धारक व्यक्ति को मिलने वाली पूरी परिपक्वता राशि टैक्स मुक्त होती है।

प्रीमियम का भुगतान - ग्राहकों की सुविधा के लिए बीमा कंपनियों ने प्रीमियम भुगतान के विभिन्न विकल्प शुरू किए हैं। अब आप अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार एकभुगतान विकल्प चुन सकते हैं। फिलहाल बाजार में उपलब्ध सामान्य प्रीमियम भुगतान विकल्प हैं - वार्षिक, अर्ध-वार्षिक, त्रैमासिक और मासिक।

टाटा मोटर्स को चौथी तिमाही में बड़ा झटका, शुद्ध लाभ 49 प्रतिशत घटकर 1,109 करोड़ रुपये पर

मुंबई (आरएनएस)। वाहन बनाने वाली घरेलू कंपनी टाटा मोटर्स का एकीकृत शुद्ध लाभ 31 मार्च को समाप्त चौथी तिमाही में 49 प्रतिशत घटकर 1,108.66 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से आमदनी घटने तथा ब्रिटिश इकाई जगुआर लैंड रोवर के कारोबार से जुड़े कुछ विशेष प्रावधान की वजह से उसका मुनाफा घटा है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2017-18 की इसी तिमाही में कंपनी ने 2,175.16 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था।मार्च तिमाही में कंपनी की कुल एकीकृत आय 87,285.64 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले 2017-18 की चौथी तिमाही में 91,643.44 करोड़ रुपये थी। इस तरह कंपनी की आय 4.75 प्रतिशत घटी। तिमाही के दौरान जेएलआर ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति कार्यक्रम चलाय जिसके लिए 1,367.22 करोड़ रुपये के खर्च का विशेष प्रावधान करना पड़ा।

ट्रेनों के एयरकंडीशन कोचों का तापमान नियंत्रित किया जाएगा

नई दिल्ली। ट्रेनों के एयरकंडीशन कोचों का तापमान नियंत्रित किया जाएगा। कोच कंडक्टर तापमान को ऐसे नियंत्रित करेंगे, जिससे किसी यात्री को शिकायत न हो। इसके साथ ही अब स्टेशन आने से आधा घंटा पहले ही यात्री से बेडरोल ले लिया जाएगा। बेडरोल की बढ़ती चोरी के मद्देनजर रेलवे ने यह निर्णय लिया है।रेलवे की सभी ट्रेनों में एसी प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी और तृतीय श्रेणी के कोच होते हैं। सभी में औसतन नौ डिग्री तापमान होता है। इस तापमान पर अक्सर यात्रियों को कंबल ओढ़ने की जरूरत पड़ती है। अब रेलवे इस तापमान को बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। यात्रियों को हर वक्त कंबल की जरूरत न पड़े, इसके लिए कोच का तापमान बढ़ाया जाएगा। देखा गया है कि लोग बेडरोल के साथ मिले कंबल को गंतव्य तक पहुंचने से पहले देते नहीं हैं। इसका कारण वे

बताते हैं कि उन्हें एसी के तापमान की वजह से ठंड लग रही है। कई यात्री बेडरोल के साथ मिले तौलिया, चादर को अपने सामान के साथ रखकर ले जाते हैं। वर्षों से एसी में मिलने वाले कंबल, तौलिया व चादर की चोरी रोकने के लिए रेलवे अब इस पर तेजी से काम कर रहा है। रेलवे ने कोच कंडक्टर को निर्देश दे रखे हैं कि वे यात्री से उसके गंतव्य तक पहुंचने के आधा घंटा पहले ही बेडरोल वापस ले लें। परंतु कई यात्री आधा घंटा पहले बेडरोल वापस लेने पर विवाद करते हैं।

10 रुपए का नया नोट लाएगा भारतीय रिजर्व बैंक, गवर्नर शक्तिकान्त दास के होंगे हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक 10 रुपये का नया नोट लाएगा जिस पर गवर्नर शक्तिकान्त दास के हस्ताक्षर होंगे। केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा कि रिजर्व बैंक महात्मा गांधी (नयी) श्रृंखला में 10 रुपये का नया नोट जारी करेगा। इस पर गवर्नर दास के हस्ताक्षर होंगे। इस नोट का डिजाइन महात्मा गांधी (नयी) श्रृंखला के 10 रुपये के बैंक नोट के समान होगा। केंद्रीय बैंक ने कहा कि पूर्व में जारी 10 रुपये के सभी नोट चलन में बने रहेंगे।

फॉर्मूला-1 दिग्गज निकी लाउदा का देहांत

लंदन (आरएनएस)। तीन बार के फॉर्मूला-1 वर्ल्ड चैम्पियन निकी लाउदा का 70 वर्ष की उम्र में देहांत हो गया। 1975 और 1977 में फरारी तथा 1984 में मैकलेरन की ओर से खिताब जीतने वाले आस्ट्रिया के महान खिलाड़ी का सोमवार को निधन हुआ। नौ महीने पहले उनके फेफड़े का प्रत्यारोपण हुआ था। लाउदा के परिवार ने एक बयान में कहा, वह हम सभी के लिए एक रोल मॉडल थे और वह एक बेंचमार्क सेट करके गए हैं।

परिवार ने कहा, एक खिलाड़ी और उद्यमी के रूप में उनकी अनूठी उपलब्धियां अविस्मरणीय रहेंगी। काम के लिए उनका अथक उत्साह, उनका सीधापन और उनका साहस एक बेंचमार्क बना रहेगा। वह हम सभी के लिए एक रोल मॉडल हैं। ब्रिटेन के महान फॉर्मूला-1 चालक जेम्स हंट के साथ लाउदा का मुकाबला सबसे शानदार रहा था। दोनों के बीच हुई प्रतिस्पर्धा पर रश नामक फिल्म भी बनी जिसमें डेनियल ब्रूल (लाउदा) और क्रिस हेम्सवर्थ (हंट) ने मुख्य भूमिका निभाई।

आईपीकेएल : पुणे ने हासिल की लगातार पांचवीं जीत

पुणे (आरएनएस)। पुणे प्राइड ने इंडो-इंटरनेशनल प्रीमियर कबड्डी लीग (आईपीकेएल) के पहले सीजन में बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में खेले गए मैच में बेंगलोर राइनोज को रोमांचक मुकाबले में 40-33 से हरा दिया। यह पुणे की लगातार पांचवीं तो वहीं बेंगलोर के खिलाफ लगातार दूसरी जीत है। इन दोनों के बीच 15 मई को हुए पहले मैच में भी पुणे ने बेंगलोर को मात दी थी। उस मैच को पुणे ने 32-29 से जीता था। पुणे के लिए अमरजीत सिंह ने कुल 11 अंक जुटाए जिसमें से नौ रेड अंक थे तो वहीं दो टैकल अंक। वैभव कदम बेंगलोर के सर्वोच्च स्कोरर रहे। उन्होंने रेड से चार और टैकल से दो अंक लिए।

शुरू से ही मुकाबला कांटे का रहा। पहले चार्टर में बेंगलोर 3-1 से आगे थी लेकिन फिर पुणे ने वापसी करते हुए 5-3 की बढ़त ले ली। फिर बेंगलोर ने 5-5 से स्कोर बराबर किया कुछ देर बाद स्कोर 7-7 से बराबर हो गया। हालांकि बेंगलोर पहले चार्टर का अंत 9-8 की बढ़त के साथ करने में सफल रही। दूसरे चार्टर में आते ही पुणे ने दो अंक ले 10-9 की बढ़त ले ली और फिर 11-10 से आगे हो गई। यहां बेंगलोर ने स्कोर 11-11 से बराबर कर लिया। पुणे ने फिर बेंगलोर की रेड को असफल कर दो अंक लिए और अगली रेड पर वेंकटेश ने दो अंक लेकर पुणे को 15-11 की बढ़त दिला दी। पुणे ने इस बढ़त को कायम रखते हुए दूसरे चार्टर का अंत 17-15 के स्कोर के साथ किया।

तीसरे चार्टर में भी दोनों टीमों के बीच अच्छी प्रतिस्पर्धा हुई। पुणे ने 18-16 की बढ़त ले ली और फिर 20-17 से आगे निकल गई। बेंगलोर पीछे नहीं रहने वाली थी। उसने स्कोर 20-20 से बराबर कर लिया। यहां से फिर स्कोर 21-21, 22-22, 23-23 रहा। पुणे ने दो अंक जुटा किसी तरह बढ़त बनाई और इस बढ़त को कायम रखते हुए तीसरे चार्टर का अंत 25-23 के साथ करने में सफल रही। चौथे चार्टर में पुणे ने 28-24 की बढ़त ले ली थी लेकिन बेंगलोर 28-28 से बराबरी करने में सफल रही। यहां पुणे ने लगातार चार अंक लेकर 32-28 से बढ़त ले ली और फिर चौथे मिनट में बेंगलोर को ऑल आउट कर अपनी बढ़त को 36-28 तक पहुंचा दिया।

आज का राशिफल

मेषः- भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। कोई बड़ा कार्य करने का मन बनेगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। आय के साधन विकसित होंगे।

वृषः- बेरोजगारी दूर होगी। भरपूर प्रयास करें। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। सट्टे व लॉटरी इत्यादि से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा फलीभूत होगी।

मिथुनः- संपत्ति का कोई बड़ा सौदा बड़ा लाभ दे सकता है। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेरोजगारी दूर होगी। प्रयास करें। पार्टनरों से मतभेद दूर होंगे।

कर्कः- विद्यार्थी वर्ग अध्ययन आदि के काम उत्साह व लगन से कर पाएगा। संगीत इत्यादि में रुचि रहेगी। मनपसंद भोजन का का आनंद प्राप्त होगा।

सिंहः- कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जल्दबाजी में कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते कामों में विलंब हो सकता है।

कन्याः- मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पहले की गई मेहनत का फल प्राप्त होगा। ईर्ष्यालु व्यक्ति यों से सावधान रहें, विरोध हो सकता है। आय बढ़ेगी।

तुलाः- पुराने मित्र तथा रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। अच्छी खबरें प्राप्त होंगी। उत्साह व प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

वृश्चिकः- भाग्योन्नति के प्रयास किसी प्रभावशाली व्यक्ति के सहयोग से सफल रहेंगे। बेरोजगारी दूर होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी।

धनुः- किसी अप्रत्याशित बड़े खर्च के होने की संभावना है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी व्यक्ति से बेकार की बहस हो सकती है।

मकरः- रुका हुआ धन मिल सकता है। भाग्य का साथ रहेगा। प्रतिद्वंद्वी शांत रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी।

कुंभः- समाजसेवा करने की इच्छा जागृत होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। नए अनुबंध हो सकते हैं। योजना फलीभूत होगी।

मीनः- पहले किए गए प्रयासों का प्रतिफल अब मिल सकता है। दौड़धूप रहेगी। आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं।

आम के लड्डू बनाने की विधि ...

गर्मियों मे अक्सर सभी आम खाना पसंद करते है। ऐसे मे लोग मैंगोशेक और मैंगो आइसक्रीम पसंद करते है। परन्तु आज हम मैंगो के लड्डू बनाने की विधि के बारे मे जानते है।

सामग्री-

500 ग्राम आम का रस
200 ग्राम बेसन दरदरा पिसा
दो कप घी
1 कप रवा
250 ग्राम चीनी
1 कप ताजी मलाई
1 चम्मच पिसी इलायची
1/2 कप कटे ड्राई फ्रूट्स

विधि

सबसे पहले कढ़ाही में घी डालकर बेसन और रवा डालकर धीमी आंच पर भून लें। अब इसे हल्का गुलाबी होने तक भुने। इसके बाद इस मिश्रण मे आम का रस डाले। पलटे से मिक्सचर को अच्छी तरह मिलाएं। इसे मीडियम आंच पर रखकर पांच मिनट भूनें और मलाई मिलाएं। अब गैस बंद कर दे इसमे काजू-बादाम, किशमिश डाल दें। अब पिसी चीनी, इलायची मिलाएं व गोल-गोल लड्डू बनाए। अब आपके आम के लड्डू बन कर तैयार हैं।

शब्द सामर्थ्य- 71

बाएं से दाएं
1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे
1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

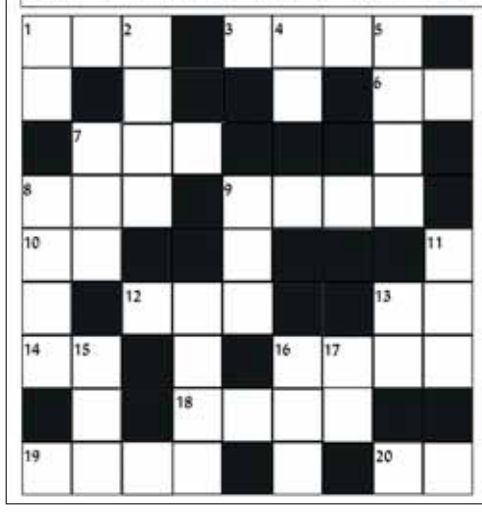

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 70 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व		
प		ति			र	क्ष	क		
र	ह	मा	न						आ
वा			मि	थु	न		दा		स
ह	वा	ला	त		सी	ता			पा
	न				ब	क	वा		स
औ	र	त		म		त			
ला		बे	च	ना		व	च		न
द	ह	ला		ना	ग	र			दी

सू-दोकू- 71

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 70 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1